Title: Need to declare 18th December, the birth anniversary of Guru Ghasidas, a gazetted holiday and telecast of documentary on his life on Doordarshan.

श्री पुन्नू लाल मोहले (बिलासपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, महान संत गुरु घासीदास जी के जयन्ती 18 दिसम्बर, 2001 को पूरे देश भर में सार्वजनिक अवकाश एवं उनके जीवनी पर बने वृतचित्र के प्रसारण हेतु दूरदर्शन पर स्वीकृति बाबत मैं कुछ शब्द कहना चाहता हूं।

छत्तीसगढ़ के संतबाबा गुरु घासीदास जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 18 दिसम्बर के पूरे देश में छुट्टी करने के संबंध में मैं कहना चाहूंगा कि संत बाबा गुरु घासीदास जी का जन्म 18 दिसम्बर, 1756 को गांव गिरौदपुरी में हुआ था, जो तत्कालीन जिला बिलासपुर, जो बाद में रायपुर जिला में चला गया है। बाल्यकाल से ही घासीदास जी नए-नए चमत्कार तथा आध्यात्मिक ज्ञान, शांति और प्रेम के रास्ते आम नागरिकों को दिखाते एवं बताते थे, जिसे देखकर और सुनकर लोग उन्हें चमत्कारी पुरु मानने लगे थे। इनके जीवन काल में एक ऐसी घटना और घटी जिसने इनके जीवन को छकझोर दिया। बाबा जी की पत्नी श्रीमती सफुरा जी की अचानक मृत्यु ने इनके जीवन में एक नया मोड़ ला दिया। पत्नी के प्रेम में व्याकुल होकर बाबाजी आत्महत्या करने के लिए आतुर होकर जंगल में जाकर लगभग 200 फुट ऊंचे पहाड़ पर जा पहुंचे, जिसका नाम छत्ता पहाड़ था। वहां से नीचे कूदे, लेकिन भगवान के चमत्कार से वे पृथ्वी पर सीधे आकर खड़े हो गए। वहां उन्हें शक्ति प्र ााप्त हुई। अदृश्यशक्ति ने बोला - हे मानव, तुम साधारण नहीं हो, तुम लाखों दुखियों के दुख तथा संदेह का निवारण करने वाले हो। वापिस आकर उन्होंने अपनी पत्नी, जो छः महीने पहले मर गई थी, उनको मरघट से निकालकर उसे सत्य उपदेश तथा अमृतमान देकर जिला दिया, जिससे समाज आश्चर्यचकित होकर उनकी जय-जयकार करन लगा। उन्होंने सतनाम धर्म की स्थापना की और लाखों लोग उनके अनुयायी बन गए।

उपाध्यक्ष महोदय : आप सरकार से क्या चाहते हैं, यह बताइए।

श्री पुन्नू लाल मोहले : महोदय, मध्य प्रदेश सरकार ने 18 दिसम्बर को पिछले बीस वर्ाों से छुट्टी घोाित कर रखी है। मैं केन्द्रीय सरकार से मांग करता हूं कि संतगुरु घासीदास जी की जयन्ती पर केन्द्रीय सरकार द्वारा बनी आधे घन्टे की फिल्म 17 और 18 दिसम्बर को दिखाई जाए और पूरे भारतर्वा में सार्वजनिक अवकाश घोाित किया जाए।